NCERT
National Council Of Educational Research And Training

NCERT Solutions for 3rd Class Environmental Science –(पर्यावरण अध्ययन): Chapter 24-जीवन का जाल

IndCareer Schools

indCareer indCareer indCareer

NCERT Solutions for Class 3rd Environmental Science –(पर्यावरण अध्ययन): Chapter 24-जीवन का जाल

Class 3: पर्यावरण अध्ययन Chapter 24 solutions. Complete Class 3 पर्यावरण अध्ययन Chapter 24 Notes.

NCERT Solutions for Class 3rd Environmental Science –(पर्यावरण अध्ययन): Chapter 24-जीवन का जाल

NCERT 3rd पर्यावरण अध्ययन Chapter 24, class 3 पर्यावरण अध्ययन Chapter 24 solutions

एन.सी.ई.आर.टी. पाठ्यपुस्तक (पृष्ठ संख्या 156)

➢ अब तक तुमने करीब-करीब यह पूरी किताब पढ़ ली होगी। तुमने पेड़-पौधों, जानवरों, पानी, घर, वाहनों तथा और भी कई चीजों के बारे में पढ़ा और सोचा। क्या तुम बता सकते हो कि हमने इन चीजों के बारे में कुछ जानने और सोचने की कोशिश क्यों की?

उत्तर हमारा जीवन इन सारी चीजों पर निर्भर करता है—जैसे कि पेड़, पानी, घर, जानवर, गाड़ियाँ और कई अन्य चीजें। इसलिये हमने इन सारी चीजों के बारे में जानने और सोचने की कोशिश की।

एन.सी.ई.आर.टी. पाठ्यपुस्तक (पृष्ठ संख्या 157-158)

➢ हमारा चित्र में दिखाई चीजों से क्या नाता है? चलो पता लगाएँ—

(क) सबसे पहले दी गई खाली जगह में अपना चित्र बनाओ।

(ख) अब अपने चित्र से एक लाइन खींचकर उन चीजों से जोड़ो जो तुम्हें अपने जीने के लिए बहुत जरूरी लगती हैं।

उत्तर

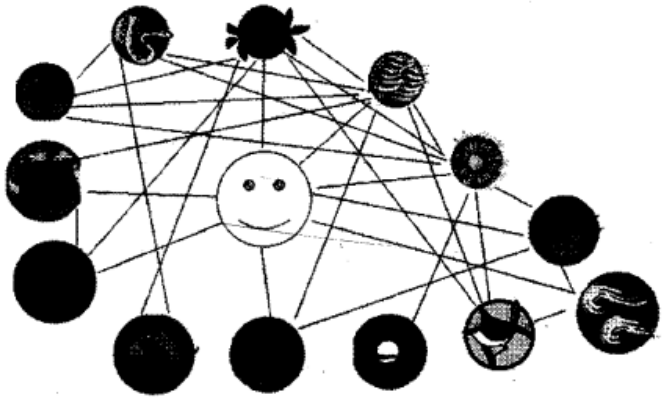

➢ क्या तुमने खुद को 'घर' से जोड़ा है?

उत्तर हाँ।

➢ यह जाल देखकर तुम क्या समझे?

उत्तर यह जाल दिखाता है कि लगभग सारी चीजें हमारे लिए जरूरी हैं। हर चीजें एक दूसरे पर निर्भर करती हैं।

➢ तुमने जो जाल बनाया है उसे अपने दोस्तों को दिखाओ और उनका बनाया हुआ जाल भी देखो। क्या सब एक जैसे हैं?

उत्तर हाँ, सभी जाल लगभग एक जैसे हैं।

Chapterwise NCERT Solutions for Class 3 Environmental Science –(पर्यावरण अध्ययन) :

- Chapter 1-डाल -डाल पर ,ताल -ताल पर
- Chapter 2-पौधों की परी
- Chapter 3-पानी रे पानी
- Chapter 4-हमारा पहला स्कूल
- Chapter 5-छोटू का घर
- Chapter 6-खाना अपना -अपना
- Chapter 7-बिन बोले बात
- Chapter 8-पंख फैलाए उड़ते जाए
- Chapter 9-बादल आये बारिश लाए
- Chapter 10-पकाएं खाए
- Chapter 11-यहां से वहा
- Chapter 12-काम अपने -अपने
- Chapter 13-धूकर देखें
- Chapter 14-कहां से आया ,किसने पकाया?
- Chapter 15-आओ बनाएं बर्तन
- Chapter 16-खेल खेल में
- Chapter 17-चिटठी आयी है
- Chapter 18-ऐसे भी होते हैं घर
- Chapter 19-हमारे साथी जानवर
- Chapter 20-बूंद -बूंद से
- Chapter 21-तरह -तरह के परिवार
- Chapter 22-दायां -बायां
- Chapter 23-कपड़ा सजा कैसे
- Chapter 24-जीवन का जाल

https://www.indcareer.com/schools/ncert-solutions-for-3rd-class-environmental-science-paryavaran-adhyayan-chapter-24-jeevan-ka-jaal/

About NCERT

The National Council of Educational Research and Training is an autonomous organization of the Government of India which was established in 1961 as a literary, scientific, and charitable Society under the Societies Registration Act. The major objectives of NCERT and its constituent units are to: undertake, promote and coordinate research in areas related to school education; prepare and publish model textbooks, supplementary material, newsletters, journals and develop educational kits, multimedia digital materials, etc.Organise pre-service and in-service training of teachers; develop and disseminate innovative educational techniques and practices;collaborate and network with state educational departments, universities, NGOs and other educational institutions; act as a clearing house for ideas and information in matters related to school education; and act as a nodal agency for achieving the goals of Universalisation of Elementary Education.In addition to research, development, training, extension, publication and dissemination activities, NCERT is an implementation agency for bilateral cultural exchange programmes with other countries in the field of school education.Its headquarters are located at Sri Aurobindo Marg in New Delhi. Visit the Official NCERT website to learn more.